चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक ....05-10-2020....पृष्ठ संख्या....04....कॉलम....1-4....

किसानों के लिए 50 फीसद पराली ही चारे के लिए रखी जाती, राजस्थान और पंजाव की इंडस्ट्रीज में पराली का होता है प्रयोग

हिसार में नहीं है कोई आधिकारिक पराली केंद्र

जागरण संवाददाता, हिसार: पराली प्रबंधन के लिए सरकार को हर जिला तक पहुंचने के लिए अभी लंबी दूरी तय करनी है। पराली प्रबंधन के लिए अभी तक कोई ऐसी बड़ी इंडस्ट्री स्थापित नहीं की गई है जिसमें किसान अपनी पराली को दे सकते हैं। हिसार जिला का बात करें तो यहां आधिकारिक पराली केंद्र नहीं है। धान उगाने वाले अधिकांश किसान पराली के प्रबंधन के लिए इसे तूड़ी के रूप में प्रयोग करते हैं। जिनके पास कोई संसाधन नहीं है, वह आग लगाते हैं तो जिनके पास संसाधन हैं वह पराली को सुखाकर इसकी बेल बनाकर कर राजस्थान और पंजाब में बेचते हैं। कृषि विभाग के आंकड़ों को देखा जाए तो करीब 40 से 50 फीसद ऐसे किसान हैं जो पराली को चारे के रूप में बनाकर प्रयोग करते हैं। इसके साथ ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भी अपने बॉयोगैस प्लांट के लिए पराली को खरीदा था। मौजूदा समय में इस प्लांट को आखिरी रूप से दिया जा रहा है। प्लांट बनने के बाद यहां पराली से बॉयो गैस, खाद, बिजली उत्पन्न की जा सकेगी।

नारनौंद व हांसी के किसान बाहर करते हैं सप्लाई : नारनौंद व हांसी क्षेत्र में धान अधिक उगाया जाता है। इसलिए यहां के कुछ प्रगतिशील किसान पराली को काटकर खाली जगहों पर एकत्रित कर लेते हैं। वहीं कुछ समय बार पराली जब सूख जाती है तो मशीन से बेल तैयार कर ली जाती है। पिछले दो वर्षों से राजस्थान और पंजाब से ठेकेदार आते हैं और इस बेल को ले जात हैं। किसानों को इसका भुगतान भी मिलता है। पराली का गट्ठर गत्ता इंडस्ट्री या बॉयो फ्यूल से जुड़ी फैक्ट्रियों में प्रयोग किया जाता है।

धरा बचाने के लिए फसल अवशेषों को करें प्रबंधन : प्रो समर सिंह

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह बताते हैं कि फसल अवशेषों का प्रबंधन हमारे पर्यावरण व धरा दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। सरकार लगातार किसानों को प्रेरित कर रही है। इसके साथ-साथ विश्वविद्यालय ने भी इस मसले को गंभीरता से लिया है। यही कारण है कि एचएयू अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से गांव-गांव किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में बता रहा है। इस बार का कृषि मेला भी फसल अवशेष प्रबंधन पर ही आधारित रहेगा। पराली जलाने से कई हानिकारक गैसें वातावरण को प्रदूषित करती हैं साथ ही हमारे स्वास्थ्य को भी खराब करती हैं। इसके साथ ही पराली जलाने से जमीन में कई पोषक तत्व और मित्र कीट भी मर जाते हैं। ऐसे में हमारे लिए पराली का प्रबंधन बहुत आवश्यक है क्योंकि इसी से हम हरियाणा की भूमि की उपजाऊ शक्ति को बरकरार रख सकते हैं।

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह। • जागरण आर्काइव।

143 कस्टम हायरिंग सेंटर से मिला फायदा

सरकार ने पराली प्रबंधन के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर खोले हैं, जिनमें किसान समूहों को अनुदान के साथ मशीनें उपलब्ध कराई जाती है। किसान इन मशीनों का प्रयोग कर पराली का प्रबंधन भी कर रहे हैं। अभी तक जिले में कृषि विभाग 143 कस्टम हायरिंग सेंटर बना चुका है। इसके साथ ही 56 और कस्टम हायरिंग सेंटर खोले जा रहे हैं, जिसके लिए किसानों को 7 अक्टूबर तक मशीनें खरीदने के लिए कहा गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...दैनिक भास्कर...
दिनांक 05-10-2020 पृष्ठ संख्या 02 कॉलम 7-8

प्रदेश के बेरोजगार युवकों को ट्रेनिंग और टिप्स देगा एचएयू

एचएयू के कुलपति प्रो. समर ने दिए निर्देश

भास्कर न्यूज़ | हिसार

प्रदेश के बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार दिलाने के लिए एचएयू टिप्स देने के साथ-साथ ट्रेनिंग भी देगा। कृषि के क्षेत्र में आमदनी बढ़ाने के टिप्स दिए जाएंगे। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते प्रदेश के कई जिलों में युवाओं की जान नौकरी छूट गई है। वहीं कुछ युवा बेरोजगार भी हो गए थे। जिसके कारण युवा टेंशन में भी रहने लगे। कृषि के क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू करने के लिए युवाओं को एचएयू निशुल्क ट्रेनिंग देगा। यही नहीं बेरोजगारी के कारण टेंशन से जूझ रहे युवाओं की टेंशन भी दूर करने के लिए टिप्स दिए जाएंगे। इसके लिए सोशल मीडिया के माध्यम से भी युवाओं को अपने साथ जोड़ रहा है। युवाओं को विभिन्न प्रकार के फसलों की बुवाई कर आमदनी कमाने के बारे में भी टिप्स दिए जाएंगे। इस संबंध में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और अन्य को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। प्रयास रहेगा कि युवाओं को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाए। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह कहते हैं कि बेरोजगार युवकों को सफल उद्यमी से भी रूबरू कराया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 05-10-20 पृष्ठ संख्या 03 कॉलम 01-06

एक कमरे में 12 परीक्षार्थी ही दे सकेंगे इम्तिहान

24 व 31 अक्टूबर को होंगी एचएयू में यूजी की प्रवेश परीक्षाएं, कुल 16 हजार परीक्षार्थी लेंगे भाग

मिशन एडमिशन

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासन ने स्नातक (यूजी) प्रवेश परीक्षा के लिए शेड्यूल जारी कर दिया है। 24 व 31 अक्टूबर को प्रवेश परीक्षा होंगी। इसमें 24 अक्टूबर को चार वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करने वालों की परीक्षा ली जाएगी तो 31 अक्टूबर को 6 वर्षीय पाठ्यक्रम में आवेदन करने वाली परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे। करीब 16 हजार परीक्षार्थियों को परीक्षा में प्रतिभाग कराया जाएगा। एचएयू ने प्रवेश परीक्षा कराने के लिए हिसार, हांसी सहित आसपास के क्षेत्रों में परीक्षा केंद्र बनाया है। परीक्षा में एक-एक कक्ष में 12 परीक्षार्थियों को बैठाया जाएगा। मास्क, सैनिटाइजर प्रयोग करना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का चार नंबर गेट ● जागरण।

परीक्षा की तिथि तय कर ली गई हैं। कई परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए विशेष टीमों का गठन भी किया गया है। परीक्षा के बाद विद्यार्थियों की सुविधा के लिए जल्द से जल्द परिणाम भी विश्वविद्यालय घोषित करेगा।

डा. बीआर कंबोज, कुलसचिव, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

एचएयू में स्नातक प्रवेश परीक्षाओं का यह है शेड्यूल

कोर्स	बीएससी (आनर्स) एग्री एवं बेचलर ऑफ फिशरीज (चार वर्षीय)	बीएससी एग्री (आनर्स) (छह वर्षीय, बावल)	बीएससी (ऑनर्स) कम्युनिटी साइंस (ऑनर्स)
प्रवेश परीक्षा की तिथि	24 अक्टूबर	31 अक्टूबर	31 अक्टूबर
आंसर की का डिस्पले व शिकायतें	25 से 27 अक्टूबर	1 से 3 नवंबर	1 से 3 नवंबर
परीक्षा परिणाम	6 नवंबर	6 नवंबर	6 नवंबर
ऑनलाइन विकल्प का चयन	6 से 9 नवंबर	6 से 9 नवंबर	6 से 9 नवंबर
दस्तावेज जमा करना	13 नवंबर	13 नवंबर	13 नवंबर
दस्तावेजों की कमी दूर करना	16 नवंबर	16 नवंबर	16 नवंबर
ऑनलाइन सीट अलॉटमेंट	18 नवंबर	18 नवंबर	18 नवंबर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....

दिनांक ..04-10-2020..पृष्ठ संख्या....01....कॉलम....8....

एचएयू में 24 व 31 अक्तूबर को होगी बीएससी प्रवेश परीक्षा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में बीएससी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षाएं 24 और 31 अक्तूबर को होंगी। 24 अक्तूबर को बीएससी चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा, जबकि 31 अक्तूबर को बीएससी छह वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा। दोनों ही परीक्षाएं एक ही दिन में समाप्त कर दी जाएंगी । बता दें कि विवि में बीएससी के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रदेशभर के 12 हजार से अधिक और बीएससी छह वर्षीय कोर्स के लिए साढ़े 5 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किए हैं। विवि प्रशासन द्वारा बीएससी चार वर्षीय कोर्स की प्रवेश परीक्षा के लिए जिले में कुल 30 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 7 परीक्षा केंद्र हांसी और बाकी केंद्र हिसार शहर में बनाए गए हैं। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार न्यूज	**04.10.2020**	--	--

एचएयू में 24 और 31 अक्तूबर को होगी बीएससी की प्रवेश परीक्षा, हिसार में होंगे परीक्षा केंद्र

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में बीएससी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षाएं 24 और 31 अक्तूबर को होंगी। 24 अक्तूबर को बीएससी चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा, जबकि 31 अक्तूबर को बीएससी छह वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा।

विवि प्रशासन के अनुसार, दोनों ही परीक्षाएं एक ही दिन में समाप्त कर दी जाएंगी और इसके लिए व्यापक स्तर पर परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों के सैनिटाइजेशन, सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क की अनिवार्यता आदि को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी। बता दें कि विवि में बीएससी के

हिसार में 23 और हांसी में 7 परीक्षा केंद्र

चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रदेशभर के 12 हजार से अधिक और बीएससी छह वर्षीय कोर्स के लिए साढ़े 5 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किए हैं। दूसरी तरफ, लाला लाजपत राय पशु विज्ञान एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय ने वीएलडीडी और बीटेक इन डेयरी साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी के लिए अभी तक प्रवेश परीक्षा की तिथि जारी नहीं की है।

विवि प्रशासन द्वारा बीएससी चार वर्षीय कोर्स की प्रवेश परीक्षा के लिए जिले में कुल 30 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 7 परीक्षा केंद्र हांसी और बाकी केंद्र हिसार शहर में बनाए गए हैं। विवि कैंपस में भी परीक्षा केंद्र होंगे। इसके बाद 31 अक्तूबर को होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों की संख्या कम की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..दैनिक भास्कर.....

दिनांक ..०५-१०-२०२०..पृष्ठ संख्या.....०२.....कॉलम.....५-८.....

गांधी जी का चरखा, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक : डॉ. बिमला

एचएयू में गांधी जी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

भास्कर न्यूज | हिसार

गांधी जी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग द्वारा एक दिवसीय वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय 'वर्तमान परिपेक्ष्य में खादी का महत्व' रहा।

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वेबिनार का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज की देखरेख में किया गया, जिसका संचालन डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा ने किया।

वेबिनार को संबोधित करते हुए डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि गांधी जी के अनुसार चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक था। वेबिनार में विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों व प्राध्यापकों सहित 80 प्रतिभागी शामिल हुए।

एचएयू में वेबिनार के दौरान विचार प्रस्तुत करती वक्ता।

खादी बना फैशन स्टेटमेंट : डॉ. नीलम एम. रोज

वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज ने कहा कि गांधीजी के अनुसार खादी एक वस्त्र नहीं अपितु एक विचार है। खादी किसी समय में जो पारंपरिक परिधान होता था, आज एक फैशन स्टेटमेंट का रूप ले चुका है। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसका मुख्य विषय 'मेरी पसंद-मेरा गर्व-स्वदेशी खादी' था। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सरकार की योजनाओं के बारे में भी बताया

वेबिनार को दयाल बाग इंस्टीट्यूट आगरा से सहायक प्रोफेसर डॉ. पल्लवी लखचौरा, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जोधपुर(राजस्थान) से विषय विशेषज्ञ डॉ. नेहा गहलोत व डॉ. सरोज देवी, चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज, मोहाली के फैशन टैक्नॉलोजी विभाग से डॉ. ममता एवं डॉ. इनीत चीमा ने भी खादी के उत्पादन, भारत में विभिन्न पारम्परिक वस्त्र एवं खादी उद्योगों व सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। साथ ही खादी को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैशन डिजाइनरों द्वारा पुनः पहचान दिलाने पर विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक ....04-10-2020.....पृष्ठ संख्या.....04.........कॉलम.....3-5.......

चरखा आत्मनिर्भरता का प्रतीक : डा. ढांडा

जागरण संवाददाता, हिसार : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 151वीं जयंती पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग द्वारा एक दिवसीय वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई। वेबिनार का मुख्य विषय वर्तमान परिपेक्ष्य में खादी का महत्व था।

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वेबिनार का आयोजन विभागाध्यक्ष डा. नीलम एम रोज की देखरेख में किया गया। संचालन डा. सरोज यादव व डा. मोना वर्मा ने किया। डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अनुसार चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक था। वेबिनार में विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों व प्राध्यापकों सहित 80 प्रतिभागी शामिल हुए।

इन्होंने भी रखे विचार

वेबिनार को दयाल बाग इंस्टीट्यूट आगरा से सहायक प्रो. डा. पल्लवी लखचौरा, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जोधपुर(राजस्थान) से विषय विशेषज्ञ डा. नेहा गहलोत व डा. सरोज देवी, चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज, मोहाली के फैशन टेक्नॉलोजी विभाग से डा. ममता एवं डा. इनीत चीमा ने भी खादी के उत्पादन, भारत में विभिन्न पारंपरिक वस्त्र एवं खादी उद्योगों व सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। खादी को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैशन डिजाइनरों द्वारा पुन: पहचान दिलाने पर भी विचार प्रस्तुत किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी, अमर उजाला

दिनांक 04-10-2020 पृष्ठ संख्या 02, 04 कॉलम 3-4, 1-2

हकृवि में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

हिसार, 3 अक्तूबर (ब्यूरो): गांधीजी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग द्वारा वैबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका मुख्य विषय 'वर्तमान परिपेक्ष्य में खादी का महत्व' था। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

वैबिनार का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज की देखरेख में किया गया, जिसका संचालन डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा ने किया। वैबिनार में विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों व प्राध्यापकों सहित 80 प्रतिभागी शामिल हुए। वहीं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने पोस्टर के माध्यम से खादी के महत्व को दर्शाया।

हकृवि में वेबिनार व प्रतियोगिता का आयोजन

हिसार। गांधी जी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग द्वारा शनिवार को एक दिवसीय वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वेबिनार का विषय 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में खादी का महत्व' था। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वेबिनार का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज की देखरेख में किया गया, जिसका संचालन डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**03.10.2020**	--	--

गांधी जी का चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक : डॉ. बिमला ढांडा

गांधी जी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

टूडे न्यूज | हिसार

गांधी जी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग द्वारा एक दिवसीय वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय 'वर्तमान परिपेक्ष्य में खादी का महत्व' था। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वेबिनार का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज की देखरेख में किया गया, जिसका संचालन डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा ने किया।

वेबिनार को संबोधित करते हुए डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि गांधी जी के अनुसार चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने अपने जीवन में हमेशा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया ताकि देश में राजनीतिक आजादी के साथ-साथ आर्थिक आजादी भी आ सके। एक समय ऐसा था, जब खादी अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रही थी, उस समय महात्मा गांधी जी ने चरखे के माध्यम से खादी के कपड़ों के निर्माण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें खादी को अपनाना चाहिए क्योंकि खादी एक राष्ट्रीय वस्त्र है और यह पर्यावरण हितैषी भी है। यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम महात्मा गांधी की सोच और विचारों को आगे बढ़ाएं व खादी को अपनाएं। वेबिनार में विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों व प्राध्यापकों सहित 80 प्रतिभागी शामिल हुए। वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज ने कहा कि गांधीजी के अनुसार खादी एक वस्त्र नहीं अपितु एक विचार है। खादी किसी समय में जो पारंपरिक परिधान होता था, आज एक फैशन स्टेटमेंट का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने खादी उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता पूर्वक बनाने के लिए 'जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट' योजना की शुरुआत की है। इससे खादी को वैश्विक स्तर के उत्पादों के अनुरूप बनाने में मदद मिलेगी। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसका मुख्य विषय 'मेरी पसंद-मेरा गर्व-स्वदेशी खादी' था। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने पोस्टर के माध्यम से खादी के महत्व को दर्शाया।

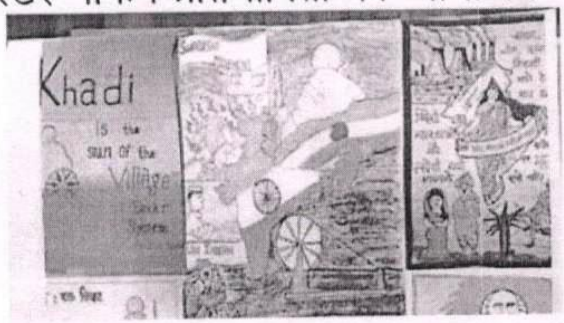

इन्होंने भी रखे विचार : वेबिनार को दयाल बाग इंस्टीट्यूट आगरा से सहायक प्रोफेसर डॉ. पल्लवी लखवीरा, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जोधपुर(राजस्थान) से विषय विशेषज्ञ डॉ. नेहा गहलोत व डॉ. सरोज देवी, चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज, मोहाली के फैशन टैक्नॉलोजी विभाग से डॉ. ममता एवं डॉ. इन्नीत चीमा ने भी खादी के उत्पादन, भारत में विभिन्न पारम्परिक वस्त्र एवं खादी उद्योगों व सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही खादी को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**03.10.2020**	--	--

गांधी जयंती के उपलक्ष्य में वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। गांधी जी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग द्वारा एक दिवसीय वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय 'वर्तमान परिपेक्ष्य में खादी का महत्व' था। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वेबिनार को संबोधित करते हुए डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि गांधी जी के अनुसार चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने अपने जीवन में हमेशा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया ताकि देश में राजनीतिक आजादी के साथ-साथ आर्थिक आजादी भी आ सके। वेबिनार में विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों व प्राध्यापकों सहित 80 प्रतिभागी शामिल हुए। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसका मुख्य विषय 'मेरी पसंद-मेरा गर्व-स्वदेशी खादी' था। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने पोस्टर के माध्यम से खादी के महत्व को दर्शाया।

हिसार। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों द्वारा बनाया गया पोस्टर।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार न्यूज	04.10.2020	--	--

गांधी जी का चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक : डॉ. बिमला ढांडा

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : गांधी जी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग द्वारा एक दिवसीय वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय 'वर्तमान परिपेक्ष्य में खादी का महत्व' था। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वेबिनार का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज की देखरेख में किया गया, जिसका संचालन डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा ने किया। वेबिनार को संबोधित करते हुए डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि गांधी जी के अनुसार चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने अपने जीवन में हमेशा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया ताकि देश में राजनीतिक आजादी के साथ-साथ आर्थिक आजादी भी आ सके। एक समय ऐसा था, जब खादी अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रही थी, उस समय महात्मा गांधी जी ने चरखे के माध्यम से खादी के कपड़ों के निर्माण पर बल दिया।

गांधी जी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	03.10.2020	--	--

हकृवि में पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

गांधी जी का चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक : डॉ. बिमला ढांडा

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। गांधी जी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग द्वारा एक दिवसीय वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय 'वर्तमान परिपेक्ष्य में खादी का महत्व' था। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वेबिनार का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज की देखरेख में किया गया, जिसका संचालन डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा ने किया। वेबिनार को

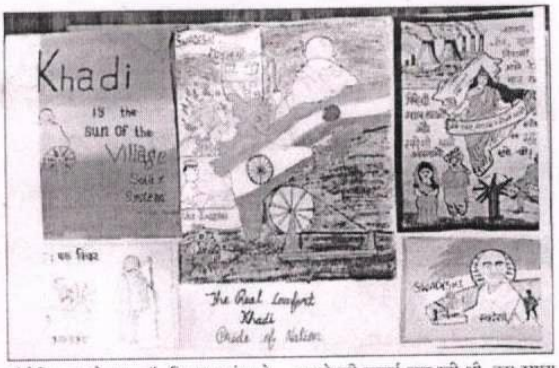

संबोधित करते हुए डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि गांधी जी के अनुसार चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने अपने जीवन में हमेशा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया ताकि देश में राजनीतिक आजादी के साथ-साथ आर्थिक आजादी भी आ सके। एक समय ऐसा था, जब खादी अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रही थी, उस समय महात्मा गांधी जी ने चरखे के माध्यम से खादी के कपड़ों के निर्माण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें खादी को अपनाना चाहिए क्योंकि खादी एक राष्ट्रीय वस्त्र है और यह पर्यावरण हितैषी भी है। यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम महात्मा गांधी की सोच और विचारों को आगे बढ़ाएं व खादी को अपनाएं।

खादी बना फैशन स्टेटमेंट : डॉ. नीलम

वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज ने कहा कि गांधीजी के अनुसार खादी एक वस्त्र नहीं अपितु एक विचार है। खादी किसी समय में जो पारंपरिक परिधान होता था, आज एक फैशन स्टेटमेंट का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने खादी उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता पूर्वक बनाने के लिए 'जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट' योजना की शुरुआत की है। इससे खादी को वैश्विक स्तर के उत्पादों के अनुरूप बनाने में मदद मिलेगी। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसका मुख्य विषय 'मेरी पसंद-मेरा गर्व-स्वदेशी खादी' था। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने पोस्टर के माध्यम से खादी के महत्व को दर्शाया।

वेबिनार में विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों व प्राध्यापकों सहित 80 प्रतिभागी शामिल हुए।

इन्होंने रखे विचार

वेबिनार को दयाल बाग इंस्टीट्यूट आगरा से सहायक प्रोफेसर डॉ. पल्लवी लखचौरा, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जोधपुर (राजस्थान) से विषय विशेषज्ञ डॉ. नेहा गहलोत व डॉ. सरोज देवी, चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज, मोहाली के फैशन टैक्नॉलोजी विभाग से डॉ. ममता एवं डॉ. इनीत चीमा ने भी खादी के उत्पादन, भारत में विभिन्न पारम्परिक वस्त्र एवं खादी उद्योगों व सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही खादी को फैशन डिजाइनरों द्वारा पुनः पहचान दिलाने पर भी विचार प्रस्तुत किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	03.10.2020	--	--

गांधी जी का चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीकः डॉ. बिमला ढांडा

पल पल न्यूजः हिसार, 3 अक्टूबर। गांधी जी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग द्वारा एक दिवसीय वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय 'वर्तमान परिपेक्ष्य में खादी का महत्व' था। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वेबिनार का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज की देखरेख में किया गया, जिसका संचालन डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा ने किया। वेबिनार को संबोधित करते हुए डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि गांधी जी के अनुसार चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने अपने जीवन में हमेशा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया ताकि देश में राजनीतिक आजादी के साथ-साथ आर्थिक आजादी भी आ सके। वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज ने कहा कि गांधीजी के अनुसार खादी एक वस्त्र नहीं अपितु एक विचार है।

खादी किसी समय में जो पारंपरिक परिधान होता था, आज एक फैशन स्टेटमेंट का रूप ले चुका है। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसका मुख्य विषय 'मेरी पसंद-मेरा गर्व-स्वदेशी खादी' था। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने पोस्टर के माध्यम से खादी के महत्व को दर्शाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	03.10.2020	--	--

'वर्तमान परिपेक्ष्य में खादी का महत्व' पर वैबिनार

हिसार/03 अक्टूबर/रिपोर्टर

गांधी कि जयंती के उपलक्ष्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग द्वारा एक दिवसीय वैबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय 'वर्तमान परिपेक्ष्य में खादी का महत्व' था। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि गांधी के अनुसार चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने अपने जीवन में हमेशा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया ताकि देश में राजनीतिक आजादी के साथ-साथ आर्थिक आजादी भी आ सके। एक समय ऐसा था, जब खादी अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रही थी, उस समय महात्मा गांधी जी ने चरखे के माध्यम से खादी के कपड़ों के निर्माण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें खादी को अपनाना चाहिए क्योंकि खादी एक राष्ट्रीय वस्त्र है और यह पर्यावरण हितैषी भी है। यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम महात्मा गांधी की सोच और विचारों को आगे बढ़ाएं व खादी को अपनाएं। वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज ने कहा कि गांधीजी के अनुसार खादी एक वस्त्र नहीं अपितु एक विचार है। खादी किसी समय में जो पारंपरिक परिधान होता था, आज एक फैशन स्टेटमेंट का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने खादी उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता पूर्वक बनाने के लिए 'जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट' योजना की शुरुआत की है। इससे खादी को वैश्विक स्तर के उत्पादों के अनुरूप बनाने में मदद मिलेगी। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसका मुख्य विषय 'मेरी पसंद-मेरा गर्व-स्वदेशी खादी' था। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने पोस्टर के माध्यम से खादी के महत्व को दर्शाया। वैबिनार को दयाल बाग इंस्टीट्यूट आगरा से सहायक प्रोफेसर डॉ. पल्लवी लखचौरा, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जोधपुर (राजस्थान) से विषय विशेषज्ञ डॉ. नेहा गहलोत व डॉ. सरोज देवी, चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज, मोहाली के फैशन टैक्नॉलोजी विभाग से डॉ. ममता एवं डॉ. इनीत चीमा ने भी खादी के उत्पादन, भारत में विभिन्न पारम्परिक वस्त्र एवं खादी उद्योगों व सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। वैबिनार का संचालन डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	03.10.2020	--	--

गांधी जी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। गांधी जी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग द्वारा एक दिवसीय वेबिनार व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वेबिनार का मुख्य विषय 'वर्तमान परिपेक्ष्य में खादी का महत्व' था। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वेबिनार का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज की देखरेख में किया गया, जिसका संचालन डॉ. सरोज यादव व डॉ. मोना वर्मा ने किया। वेबिनार को संबोधित करते हुए डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि गांधी जी के अनुसार चरखा बदलाव, आत्मनिर्भरता और अहिंसा का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने अपने जीवन में हमेशा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया ताकि देश में राजनीतिक आजादी के साथ-साथ आर्थिक आजादी भी आ सके। एक समय ऐसा था, जब खादी अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रही थी, उस समय महात्मा गांधी जी ने चरखे के माध्यम से खादी के कपड़ों के निर्माण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें खादी को अपनाना चाहिए क्योंकि खादी एक राष्ट्रीय वस्त्र है और यह पर्यावरण हितैषी भी है। यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम महात्मा गांधी की सोच और विचारों को आगे बढ़ाएं व खादी को अपनाएं। वेबिनार में विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों व प्राध्यापकों सहित 80 प्रतिभागी शामिल हुए।

खादी बना फैशन स्टेटमेंट : डॉ. नीलम एम. रोज

वस्त्र एवं परिधान अभिकलन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज ने कहा कि गांधीजी के अनुसार खादी एक वस्त्र नहीं अपितु एक विचार है। खादी किसी समय में जो पारंपरिक परिधान होता था, आज एक फैशन स्टेटमेंट का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने खादी उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता पूर्वक बनाने के लिए 'जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट' योजना की शुरुआत की है। इससे खादी को वैश्विक स्तर के उत्पादों के अनुरूप बनाने में मदद मिलेगी। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसका मुख्य विषय 'मेरी पसंद-मेरा गर्व-स्वदेशी खादी' था। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने पोस्टर के माध्यम से खादी के महत्व को दर्शाया।

इन्होंने भी रखे विचार

वेबिनार को दयाल बाग इंस्टीट्यूट आगरा से सहायक प्रोफेसर डॉ. पल्लवी लखचौरा, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जोधपुर (राजस्थान) से विषय विशेषज्ञ डॉ. नेहा गहलोत व डॉ. सरोज देवी, चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज, मोहाली के फैशन टैक्नोलॉजी विभाग से डॉ. ममता एवं डॉ. इनीत चीमा ने भी खादी के उत्पादन, भारत में विभिन्न पारम्परिक वस्त्र एवं खादी उद्योगों व सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही खादी को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैशन डिजाइनरों द्वारा पुनः पहचान दिलाने पर भी विचार प्रस्तुत किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर, अमर उजाला, दैनिक जागरण.....

दिनांक ...०५-१०-२०२०...पृष्ठ संख्या...०२, ०१, ०५...कॉलम...०५, ०१, ७-८...

एचएयू में ऑनलाइन प्रशिक्षण 5 अक्टूबर से

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 5 अक्टूबर से किया जाएगा। जानकारी देते हुए सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. ए.के. गोदारा ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश के किसानों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए होगा।

उन्होंनें बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य विषय समन्वित कृषि प्रणाली होगा जिसके माध्यम से किसानों की आय को बढाने पर जोर दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देख रेख में किया जाएगा।

mycity

न्यूज कैप्सूल

एचएयू में ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम कल से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 5 अक्तूबर से किया जाएगा। सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. एके गोदारा ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश के किसानों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए होगा। इसका मुख्य विषय समन्वित कृषि प्रणाली होगा, जिसके माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

एचएयू में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कल से

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 5 अक्टूबर से किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डा. एके गोदारा ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश के किसानों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए होगा। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य विषय समन्वित कृषि प्रणाली होगा जिसके माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थी के पास स्मार्ट फोन व इंटरनेट सुविधा होनी आवश्यक है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा की देख रेख में होगा। (जासं)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: पंजाब केसरी

दिनांक: 04-10-2020 पृष्ठ संख्या: 02 कॉलम: 3-4

एच.ए.यू. में समन्वित कृषि प्रणाली विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम कल से

हिसार (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान में 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 5 अक्तूबर से किया जाएगा। सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. ए.के. गोदारा ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश के किसानों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए होगा। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य विषय समन्वित कृषि प्रणाली होगा, जिसके माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देख-रेख में किया जाएगा। ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	**04.10.2020**	--	--

समन्वित कृषि प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 से

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 5 अक्तुबर से किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. ए.के. गोदारा ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश के किसानों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए होगा। उन्होनें बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य विषय समन्वित कृषि प्रणाली होगा जिसके माध्यम से किसानों की आय को बढाने पर जोर दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण के लिए अभ्यार्थी के पास स्मार्ट फ़ोन व इंटरनेट सुविधा होनी आवश्यक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**03.10.2020**	--	--

ब्रीफ न्यूज़

एचएयू में समन्वित कृषि प्रणाली विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम कल से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कल से किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. ए.के. गोदारा ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश के किसानों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए होगा। उन्होनें बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य विषय समन्वित कृषि प्रणाली होगा जिसके माध्यम से किसानों की आय को बढाने पर जोर दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण के लिए अभ्यार्थी के पास स्मार्ट फ़ोन व इंटरनेट सुविधा होनी आवश्यक है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देख रेख में किया जाएगा। ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र भी दिए जायेगें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	03.10.2020	--	--

सार समाचार

एचएयू में समन्वित कृषि प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 अक्तुबर से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 5 अक्तुबर से किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. ए.के. गोदारा ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश के किसानों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए होगा। उन्होनें बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य विषय समन्वित कृषि प्रणाली होगा जिसके माध्यम से किसानों की आय को बढाने पर जोर दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण के लिए अभ्यार्थी के पास स्मार्ट फ़ोन व इंटरनेट सुविधा होनी आवश्यक है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देख रेख में किया जाएगा। ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र भी दिए जायेगें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**03.10.2020**	--	--

एचएयू में समन्वित कृषि प्रणाली विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 से

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 5 अक्तुबर से किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. ए.के. गोदारा ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश के किसानों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए होगा। उन्होनें बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य विषय समन्वित कृषि प्रणाली होगा जिसके माध्यम से किसानों की आय को बढाने पर जोर दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण के लिए अभ्यार्थी के पास स्मार्ट फ़ोन व इंटरनेट सुविधा होनी आवश्यक है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देख रेख में किया जाएगा। ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र भी दिए जायेगें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक ...05-10-2020...पृष्ठ संख्या.....02.....कॉलम.....1-2.....

मौसम की संभावना के अनुसार ये करें

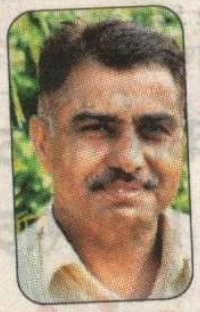

डॉ. मदन खिचड़
अध्यक्ष, कृषि मौसम विज्ञान विभाग, एचएयू।

1. सरसों की बिजाई से लिए भूमि को अच्छी प्रकार से तैयार कर नमी सरंक्षित करें और विश्विद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों आरएच 725, आरएच 749, आरएच 30 आदि के प्रमाणित बीजों का प्रबंध करें।
2. अगले तीन-चार दिनों बाद सरसों की बिजाई के लिए तापमान अनुकूल होने (दिन का 32 डिग्री सेल्सियस) की संभावना है, तब सरसों की बिजाई शुरू करने की सलाह दी जाती है।
3. सरसों में तना गलन रोग से बचाव के लिए बिजाई से पहले 2 ग्राम कारबेन्डाजिम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से अवश्य उपचारित करें।
4. मौसम परिवर्तनशील व खुश्क रहने की संभावना देखते हुए सब्जियों व फलदार पौधों और हरे चारे की फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
5. नरमा कपास की चुनाई सूर्य निकलने के बाद शुरू करें, ताकि सुबह ओस के कारण उत्पादन की गुणवत्ता पर प्रभाव न पड़े।

प्रस्तुति : संदीप बिश्नोई, हिसार